Media Coverage:

UttarPradeshGovernmentMoUwithIITKharagpurforadoptionofSpeed Management Guidelines

TheStatesman:

UPgovtsignsMoUwithIITKharagpurtocurbroadfatalities

https://www.thestatesman.com/india/up-govt-signs-mou-with-iit-kharagpur-to-curb-road-fatalities-1503482236.html

Samar Saleel:

यूपीसरकार,IITखड़गपुरऔररोडसे4ीनेटवक�कीसाझेदारी,सड़कसुर ोंके लएलागू होगा 'सेफ िस�म अप्रोच'

https://samarsaleel.com/up-government-iit-kharagpur-and-road-safety-network-partnership-will-apply-for-road-safety/495007

InstantKhabar:

सड़कदुघ�टनाएंरोकनेंके लएयूपीसरकारनेIITखड़गपुर,रोडसे4ीनेटवक�सेिमलायाहाथ

https://www.instantkhabar.com/item/to-prevent-road-accidents-up-government-joined-hands-with-iit-kharagpur-road-safety-network.html

SarkariManthan:

यूपीसरकार,IITखड़गपुरऔरRSNम साझेदारी,सेफिस अप्रोचसेसड़क ेंगीसुरि

https://sarkarimanthan.com/partnership-between-up-government-iit-kharagpur-and-rsn-reliability-ensured-by-saif-system-approval

Morning Point:

यूपीसरकार,IITखड़गपुरवरोड से4ी ेनक्क्र◌ेसड़कसुर◌ाकेिलएसेफिस◌मअप्रोचकोलागूकरनेके िलएसाझेदारीकी

https://morningpoint.in/up-government-iit-kharagpur-and-road-safety-network-formed-partnership-for-implementing-safe-system-approach-for-road-safety/25708/#google_vignette

ChrishTimes:

उUरप्रदेश,आईआईटीखड़गपुरऔररोडसे4ीनेटवक◌ेनेसड़कसुर◌ाकेिलएसेफिस◌म अप्रोचकोलागूकरनेकेिलएसाझेदारीकी

https://www.cherishtimes.in/uttar-pradesh/78248

HindiDaily:

उUरप्रदेश, IIT खड़गपुरऔररोडसे4ीनेटवक◌ेनेऐितहािसकसाझेदारी, सड़कोंकोसुरि◌ बनानेकेिलए‘सेफिस◌मअप्रोच’ लागूहोगी

https://hindidailybharatmanjari.blogspot.com/2025/09/blog-post_79.html

VoiceofLucknow:

उKरप्रदेशसरकारनेIITखड़गपुरऔररोडसे4ीनेक्क्र◌ेनेिमलायाहाथ,सड़कसुर◌ाकेिलएसेफिस◌म अप्रोच होगा लागू

https://voiceoflucknow.com/uttar-pradesh-government-joined-iit-kharagpur-and-road-safety-network-safe-system-will-apply-for-road-safety/105259/

UP18News:

सड़कदुघ◌ाओंम◌ेकमीलानेकेिलएयूपीकीयोगीसरकारऔरIIT खड़गपुरनेिकयाबड़ा करार

https://up18news.com/yogi-government-of-up-and-iit-kharagpur-have-made-a-big-deal-to-reduce-road-accidents/#google_vignette

Dailyhunt

Electronic:

NewsWani:

यूपीम◆सड़कसुर□ाकोिमलेगीटे4ोलॉजीकीताकत

https://www.youtube.com/watch?v=z7MD5efAytU

Navsatta

रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए की साझेदारी

संवाददाता

लखनऊ, 06 सितम्बर (नवसत्ता)। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है-यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह एमओयू उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को MoRTH 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70 प्रतिशत मौतें हुईं।

सड़क दुर्घटनाओं ने कोविड-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख जोखिम कारकों-ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना-को संबोधित करना होगा, साथ ही नियमित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। आईआईटी खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान हाथ में हाथ डालकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल राज्य बनाएंगे। सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

आईआईटी खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी गंभीरता और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सख्त प्रवर्तन के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे। राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान और हाल ही में अपनाए गए स्पीड मैनेजमेंट गाइडलाइंस के आधार पर इस पहल में आईआईटी खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क और सड़क सुरक्षा वकालत में अग्रणी एनजीओ Consumer VOICE भी सार्वजनिक जागरूकता, जवाबदेही और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

एक तकनीकी सलाहकार समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और नागरिक समाज के विशेषज्ञ शामिल हैं, हस्तक्षेपों को मार्गदर्शन देगा, प्रगति की निगरानी करेगा और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करेगा। प्राथमिक क्षेत्र में उच्च-जोखिम मार्गों पर गति प्रबंधन तकनीक आधारित दुर्घटना डेटा प्रबंधन, सुरक्षित सड़क डिजाइन और व्यापक जन शिक्षा शामिल हैं। आईआईटी खड़गपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डा. भार्गव मैत्रा ने कहा, हमारा दृष्टिकोण नीति और विज्ञान को सिंक्रनाइज़ करना है-सुनिश्चित करना कि हर हस्तक्षेप डेटा-आधारित हो और मापने योग्य प्रभाव के लिए निगरानी की जाए। गति प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है।

यह एमओयू उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार, आईआईटी खड़गपुर और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समाधान को वहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है-मुख्य जोखिम कारकों जैसे कि ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना। यह सहयोग डेटा आधारित जानकारी को वास्तविक जीवनरक्षक कार्यों में बदलने का ढांचा प्रदान करता है।

SamacharJyothi

उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह MoU उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को MoRTH 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7% बढ़ी है और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70% मौतें हुईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा। सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख जोखिम कारकों—ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना—को संबोधित करना होगा, साथ ही नियमित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान साथ में काम करकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल राज्य बनाएगी।

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने कहा, सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी गंभीरता और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सख्त प्रवर्तन के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे।

राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान (SRSAP) और हाल ही में अपनाए गए स्पीड मैनेजमेंट गाइडलाइंस के आधार पर, इस पहल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा क्षेत्र में अग्रणी NGO Consumer VOICE भी सार्वजनिक जागरूकता, जवाबदेही और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक तकनीकी सलाहकार समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और नागरिक समाज के विशेषज्ञ शामिल हैं, हस्तक्षेपों को मार्गदर्शन देगा, प्रगति की निगरानी करेगा और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करेगा। प्राथमिक क्षेत्र में उच्च-जोखिम मार्गों पर गति प्रबंधन, तकनीक आधारित दुर्घटना डेटा प्रबंधन, सुरक्षित सड़क डिज़ाइन और व्यापक जन शिक्षा शामिल है।

SpashtVakta

उत्तर प्रदेश, आईआईटी खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ,स्पष्टवक्ता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए चरणबद्ध कार्रवाई, कड़ाई से कानून लागू करने और IIT खड़गपुर से तकनीकी समर्थन की अपील की। लखनऊ, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (Mo) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह स्थ्य दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह स्थ्य उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को स्थ्त्रझ्ञा 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70 प्रतिशत मौतें हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है।

Dainik Bhaskar

उत्तर प्रदेश, आईआईटी खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ,स्पष्टवक्ता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए चरणबद्ध कार्रवाई, कड़ाई से कानून लागू करने और IIT खड़गपुर से तकनीकी समर्थन की अपील की। लखनऊ, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (Mo) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह रूश्न दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है–यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह रूश्न उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को रूश्नत्रञ्ज॥ 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक हैं। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7 प्रतिशत बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70 प्रतिशत मौतें हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है।

MridualExpressLucknow

CM Yogi Adityanath urges phased action, strict enforcement, and technical support from IIT Kharagpur to make UP roads safer.

Uttar Pradesh, IIT Kharagpur and Road Safety Network Partner to Implement Safe System Approach for Road Safety

UP reports highest road deaths in India—new collaboration aims at systemic solutions with measurable outcomes.

Lucknow, 6th September 2025 — In a landmark move to curb road fatalities, the Government of Uttar Pradesh has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Indian Institute of Technology (IIT) Kharagpur to implement the globally recognized Safe System Approach—an evidence-based framework proven to reduce traffic injuries and deaths. The MoU was signed during the Uttar Pradesh Transport event at Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow, in the presence of Hon'ble Chief Minister Shri Yogi Adityanath, Transport Minister Shri Dayashankar Singh, Transport Commissioner Shri B.N. Singh, among others.

The urgency of this collaboration is highlighted by the MoRTH 2023 report, which recorded 23,652 deaths and over 44,800 accidents in Uttar Pradesh, the highest in the country. Fatalities in the state rose by 4.7% compared to 2022, with over speeding alone accounting for nearly 70% of deaths.

Speaking on the occasion, Hon'ble Chief Minister Yogi Adityanath said, "Road crashes have taken more lives than even the COVID-19 pandemic, and this is one of the greatest challenges before us. To overcome it, we need both short-term and long-term action plans implemented in a phased manner. Road safety requires not just infrastructure upgrades but also behavioural change and strict enforcement of laws. We must address the

leading risk factors—over speeding, drunken driving, non-use of helmets and seatbelts—while ensuring regular driver testing, medical fitness checks, and use of modern technology. This collaboration with IIT Kharagpur will strengthen the technical implementation of our road safety measures, ensuring that policy and science work hand-in-hand to make Uttar Pradesh a model for India."

"Road safety is a top priority for our government. This collaboration with IIT Kharagpur reflects our seriousness and determination to address the challenge with urgency. Through evidence-led strategies, speed management, and stronger enforcement, we will save lives and build safer roads for every citizen," said Shri Dayashankar Singh, Transport Minister, Government of Uttar Pradesh.

Building on the State Road Safety Action Plan (SRSAP) and the newly adopted Speed Management Guidelines, the initiative combines IIT Kharagpur's technical expertise with Uttar Pradesh's policy leadership. The Road Safety Network (RSN) and Consumer VOICE, a leading NGO in road safety advocacy, are also playing a vital role in supporting public awareness, accountability, and evidence-based interventions.

A Technical Advisory Group comprising experts from academia, government, and civil society will steer interventions, monitor progress, and ensure evidence-based policymaking. Priority areas include speed management on high-risk corridors, technology-driven crash data management, safer road designs, and widespread public education.

"Our vision is to synchronize policy and science — ensuring every intervention is data-driven and fine-tuned for measurable impact. Speed management is the critical front line," stated Dr. Bhargab Maitra, Professor, Civil Engineering Department, IIT Kharagpur and Member, Road Safety Network.

"This MoU is a crucial step in Uttar Pradesh's journey to make its roads safer. By bringing together the government, IIT Kharagpur, and civil society, we can ensure technical solutions are applied where they matter most — tackling priority risk factors like speeding, non-use of helmets and seatbelts, drunken driving, and distracted driving. This collaboration gives us the framework to turn data-driven insights into real, life-saving action on the ground," said Ashim Sanyal, CEO, Consumer VOICE and Member, Road Safety Network.

The first phase of the partnership will include a statewide situational analysis, district-level engagement, and public consultations to shape the implementation of SRSAP. Regular monitoring and transparent reporting will keep the initiative accountable and aligned with its long-term vision of reducing road traffic deaths.

About the Uttar Pradesh Road Safety Mission

The Uttar Pradesh Road Safety Mission is state's flagship program to reduce road traffic deaths and injuries through systemic, scalable, and sustainable interventions.

About IIT Kharagpur

IIT Kharagpur is a premier Indian institution known for pioneering research, technology development, and policy advocacy in road safety and transportation engineering.

About Consumer VOICE

Consumer VOICE is a leading consumer advocacy organization committed to promoting road safety and public welfare in India. Consumer VOICE works to protect consumer rights. Through evidence-based campaigns and collaborations, it empowers citizens to demand accountability and contribute to making Indian roads safer.

ChetnaLucknow

उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह MoU उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को MoRTH 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7% बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70% मौतें हुईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख जोखिम कारकों—ओवरस्पीडिंग, नशे में ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना—को संबोधित करना होगा, साथ ही नियमित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारी सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान साथ में हाथ डालकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल राज्य बनाएंगे।

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने कहा, सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं

में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी गंभीरता और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सख्त प्रवर्तन के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे। राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान (SRSAP) और हाल ही में अपनाए गए स्पीड मैनेजमेंट गाइडलाइंस के आधार पर, इस पहल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा वकालत में अग्रणी NGO Consumer VOICE भी सार्वजनिक जागरूकता, जवाबदेही और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

DainikBhaskar

उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है–यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह MoU उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। IIT खड़गपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डॉ. भार्गव मैत्रा ने कहा,रहमारा दृष्टिकोण नीति और विज्ञान को सिंक्रनाइज करना है–सुनिश्चित करना कि हर हस्तक्षेप डेटा-आधारित हो और मापने योग्य प्रभाव के लिए निगरानी की जाए। गति प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है। रConsumer VOICE के CEO और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य अशिम सान्याल ने कहा,रयह MoU उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार, IIT खड़गपुर और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समाधान को वहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है–मुख्य जोखिम कारकों जैसे कि ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना।

DeshPratidin

उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए चरणबद्ध कार्रवाई, कड़ाई से कानून लागू करने और IIT खड़गपुर से तकनीकी समर्थन की अपील की

देश प्रतिदिन

लखनऊ, 6 सितंबर 2025 सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है–यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है। यह MoU उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को [illegible] 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7% बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70% मौतें हुईं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "इसे लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख जोखिम कारकों ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना को संबोधित करना होगा, साथ ही नियमित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान हाथ में हाथ डालकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल राज्य बनाएंगे।" उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने कहा, "सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी गंभीरता और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सख्त प्रवर्तन के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे।" राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान [illegible] और हाल ही में अपनाए गए स्पीड मैनेजमेंट गाइडलाइंस के आधार पर, इस पहल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा कवरेज में अग्रणी [illegible] से लेकर सार्वजनिक जागरूकता, जवाबदेही और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एक तकनीकी सलाहकार समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और नागरिक समाज के विशेषज्ञ शामिल हैं, हस्तक्षेपों को मार्गदर्शन देगा, प्रगति की निगरानी करेगा और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करेगा। प्राथमिक क्षेत्र में उच्च-जोखिम मार्गों पर गति प्रबंधन, तकनीक आधारित दुर्घटना डेटा प्रबंधन, सुरक्षित सड़क डिजाइन और व्यापक जन शिक्षा शामिल हैं। IIT खड़गपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डॉ. भार्गव मैत्रा ने कहा, "हमारा दृष्टिकोण नीति और विज्ञान को सिंक्रनाइज करना है–सुनिश्चित करना कि हर हस्तक्षेप डेटा-आधारित हो और मापने योग्य प्रभाव के लिए निगरानी की जाए। गति प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है।" कंज्यूमर वॉयस के CEO और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य अशिम सान्याल ने कहा, "यह MoU उत्तर प्रदेश की सड़क सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार, IIT खड़गपुर और नागरिक समाज को एक साथ लाकर, हम तकनीकी समाधान को वहां लागू कर सकते हैं, जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है–मुख्य जोखिम कारकों जैसे कि ओवरस्पीडिंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का न उपयोग, शराब पीकर ड्राइविंग और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग का मुकाबला करना। यह सहयोग डेटा-आधारित जानकारी को वास्तविक, जीवनरक्षक कार्यों में बदलने का ढांचा प्रदान करता है।" साझेदारी के पहले चरण में राज्यव्यापी स्थिति विश्लेषण, जिला स्तर पर जुड़ाव और सार्वजनिक परामर्श शामिल होंगे ताकि [illegible] के कार्यान्वयन को आकार दिया जा सके। नियमित निगरानी और पारदर्शी रिपोर्टिंग पहल को जवाबदेह और लंबी अवधि के दृष्टिकोण के साथ संरेखित रखेगी। उत्तर प्रदेश रोड सेफ्टी मिशन के बारे में उत्तर प्रदेश रोड सेफ्टी मिशन राज्य का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य प्रमाणित, मापनीय और सतत हस्तक्षेपों के माध्यम से सड़क यातायात मौतों और चोटों को कम करना है। IIT खड़गपुर के बारे में IIT खड़गपुर एक प्रमुख भारतीय संस्थान है, जो सड़क सुरक्षा और परिवहन इंजीनियरिंग में अनुसंधान, तकनीक विकास और नीति वकालत के लिए जाना जाता है।

HomeNewsLucknow

उत्तर प्रदेश, IIT खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है-यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह MoU उत्तर प्रदेश इंफ्रास्ट्रक्चर इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया। इस साझेदारी की आवश्यकता को MoRTH 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतें और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7% बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70% मौतें हुईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख जोखिम कारकों-ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना-को संबोधित करना होगा, साथ ही नियमित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान साथ में साथ डालकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल राज्य बनाएगी।+

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने कहा,सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। IIT खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी गंभीरता और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सख्त प्रवर्तन के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे।

राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान (SRSAP) और हाल ही में अपनाए गए स्पीड मैनेजमेंट गाइडलाइंस के आधार पर, इस पहल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा वकालत में अग्रणी NGO Consumer VOICE भी सार्वजनिक जागरूकता, जवाबदेही और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।एक तकनीकी सलाहकार समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और नागरिक समाज के विशेषज्ञ शामिल हैं, हस्तक्षेपों को मार्गदर्शन देगा, प्रगति की निगरानी करेगा और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करेगा। प्राथमिक क्षेत्र में उच्च-जोखिम मार्गों पर गति प्रबंधन, तकनीक आधारित दुर्घटना डेटा प्रबंधन, सुरक्षित सड़क डिजाइन और व्यापक जन शिक्षा शामिल हैं।